# एक-दूसरे की मदद करते हैं चिम्पैंज़ी

आम तौर पर दूसरों की मदद करना, वह भी बगैर किसी लाभ की अपेक्षा किए, इन्सानों का ही गुण माना जाता है। मगर हाल ही में किए गए कुछ प्रयोगों से पता चला है कि चिम्पैंज़ी भी ऐसा परमार्थ करते हैं। हालांकि पहले किए गए प्रयोगों का निष्कर्ष था कि चिम्पैंज़ी अन्य चिम्पैंज़ियों व इन्सानों की मदद लाभ की उम्मीद में ही करते हैं।

जर्मनी के मैक्स प्लान्क इंस्टीट्यूट फॉर इवॉल्यूशनरी एन्थ्रोपोलॉजी के फेलिक्स वार्नेकेन व उनके साथियों ने प्रयोग की डिज़ाइन कुछ इस तरह बनाई थी कि उसमें मदद के बदले किसी लाभ की गुंजाइश नहीं थी।

वार्नेकेन यह तो पहले भी देख चुके थे कि यदि कोई मनुष्य किसी टहनी तक पहुंचने की कोशिश कर रहा हो, तो चिम्पैंज़ी उसकी मदद करने को आगे आते हैं। मगर इस प्रयोग पर आपत्ति यह थी कि शायद चिम्पैंज़ी इन्सानों से सदा कुछ-न-कुछ मिलने की उम्मीद रखते ही हैं।

इस बार जो प्रयोग किया गया उसमें चिम्पैंज़ी दूसरे किसी चिम्पैंज़ी की मदद करते हैं। इस प्रयोग में पहले कुछ चिम्पैंज़ियों को एक दरवाज़े की सांकल खोलना सिखाया गया। देखा गया कि यदि कोई अन्य चिम्पैंज़ी दरवाज़े को खोलने की कोशिश करता तो कई बार 'प्रशिक्षित' चिम्पैंज़ी सांकल खोलने में मदद करते थे। इससे पता चलता है कि वे बगैर लाभ की उम्मीद किए भी मदद को आगे आते हैं। यानी मानवीयता केवल मानवों तक सीमित नहीं है।

इस प्रयोग ने परमार्थ का गुण मानवीय दायरे से ज़्यादा विस्तृत कर दिया है। अब सवाल यह है कि आखिर जैव विकास की प्रक्रिया में इस गुण का विकास कैसे व क्यों हुआ होगा। आम तौर पर जब जंतु परस्पर सहयोग करते हैं, तो माना जाता है कि इससे उन सबके जीवित रहने की संभावना बढ़ती है। इस तरह से प्रजाति को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। एक व्याख्या यह भी हो सकती है कि मदद के ज़रिए समूह में उस सदस्य का रुतबा बढ़ता है और उसे अपने जीन्स को ज़्यादा से ज़्यादा फैलाने में मदद मिलती है।

जीव वैज्ञानिक यह तो मानते हैं कि प्राणी जगत में परमार्थ की कोई व्याख्या ज़रूरी है ताकि इसे जैव विकास की प्रक्रिया के तहत समझा जा सके। यह भी स्पष्ट है कि प्राकृतिक चयन ने कुछ ऐसी मनोवैज्ञानिक विधियां विकसित की हैं जो प्राणियों को एक-दूसरे की मदद करने को प्रेरित करती हैं। मगर हम यह नहीं जानते कि ये क्रियाविधियां क्या हैं। इसे जानना जीव वैज्ञानिक शोध का एक प्रमुख क्षेत्र है। ***(स्रोत फीचर्स)***